आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 323 | उज्जैन, सोमवार 13 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एमएसएमई इकाइयों को अंतरित करेंगे 200 करोड़ रूपये की अनुदान राशि

उद्योगों को भूमि आबंटन पत्र और उद्यम क्रांति योजना के युवाओं को होगा ऋण वितरण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 13 अक्टूबर को होटल ताज फ्रंट में एमएसएमई सम्मेलन 2025 में शामिल होंगे। सम्मेलन एमएसएमई के विकास एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एमएसएमई विकास नीति के अंतर्गत प्रदेश के 48 जिलों की 700 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को सिंगल क्लिक के माध्यम से 200 करोड़ से अधिक की अनुदान राशि अंतरित करेंगे। इसी तरह स्टार्टअप नीति 2025 के अंतर्गत प्रदेश के 80 से अधिक स्टार्टअप को ?1 करोड़ से अधिक की सहायता राशि का वितरण भी किया जाएगा।

सम्मेलन दोपहर डेढ़ बजे प्रारंभ होगा। इस दौरान स्टार्टअप और निर्यात प्रोत्साहन पर दो विषयगत सत्र होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बालाघाट और टीकमगढ़ के उद्यमियों और उद्योग संघों से वर्चुअली संवाद करेंगे। उद्योग नीति एवं निवेश प्रोत्साहन प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र कुमार सिंह भी उपस्थित रहेंगे।

औद्योगिक भूखंड आशय पत्र और उद्यम क्रांति ऋण वितरण मुख्यमंत्री डॉ. यादव एमएसएमई विभाग के आधिपत्य के औद्योगिक क्षेत्रों में विभिन्न उद्यमों को 200 से अधिक भूखण्डों के आवंटन का आशय पत्र वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री ?113.78 करोड़ की लागत के 03 नवीन औद्योगिक क्षेत्रों का वर्चुअली शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा सेवा पखवाड़ा अंतर्गत अभियान चलाया जाकर मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत 350 से अधिक हितग्राहियों को ऋण उपलब्ध कराया गया है। कार्यक्रम में 100 से अधिक हितग्राहियों को हितलाभ वितरण भी किया जाएगा।

सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग एवं ओएनडीसी के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होंगे। 7.57 करोड़ रूपये की परियोजना लागत के तीन नवीन कार्यालय भवनों का शिलान्यास किया जाएगा। विभाग की एमएसएमई और स्टार्टअप गतिविधियों के अंतर्गत उद्यमियों व स्टार्टअप द्वारा अपने अनुभव भी साझा किये जाएंगे।

सीकर में फ्लेट से एक ही परिवार के 4 बच्चों सहित 5 लोगों के शव बरामद, 8 पैकेट जहर खाकर दी जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के सीकर में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, यहां एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने जहर खाकर जान दे दी। पुलिस को घटना स्थल से 10 पैकेट जहर मिला है, जिनमें से आठ को खा लिया गया। पुलिस ने मौके से लिक्विड जहर भी बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक, फ्लैट पिछले एक सप्ताह से बंद था और अंदर से तेज बदबू आ रही थी। बिल्डिंग के दूसरे लोगों ने बदबू की सूचना पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

फ्लैट से आ रही थी बदबू- पुलिस जैसे ही फ्लैट पर पहुंची तो फ्लैट के अंदर से बदबू आ रही थी। पुलिस किसी तरह फ्लैट के अंदर घुसी और जाकर देखा तो वहां लाश में सड़ चुकी थी और काली पड़ गई थी। आत्महत्या की वजहों की जांच में जुटी पुलिस

शुरुआती जांच में पुलिस इसे पारिवारिक विवाद या परेशानी की वजह से उठाया गया कदम मान रही है। मृतकों की पहचान कर ली गई है लेकिन अभी भी इस आत्महत्या की वजह साफ नहीं हो पाई हैं। इस घटना ने पूरे जिले को हिला कर रख दिया है।

देश को मजबूत करना हर नागरिक की जिम्मेदारी, नागपुर में बोले संघ प्रमुख मोहन भागवत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस जैसी संस्था केवल नागपुर में ही बन सकती थी क्योंकि यहां पहले से ही त्याग और समाज सेवा की भावना थी। संघ प्रमुख ने कहा कि देश में कई लोग हिंदुत्व पर गर्व करते थे और हिंदू एकता की बात करते थे।

संघ का उद्देश्य समाज में अनुशासन, सेवा संस्कृति, जागरूकता- मोहन भागवत ने कहा कि आरएसएस ने हाल ही में दशहरे पर अपने 100 साल पूरे किए हैं। इसकी स्थापना 1925 में डॉक्टर हेडगेवार ने नागपुर में ही की थी। इसका उद्देश्य समाज में अनुशासन, सेवा संस्कृति, जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी के भाव को पैदा करना था। नागपुर में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा, देश को मजबूत बनाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। जब हम राष्ट्र के लिए काम करते हैं तो इससे हमारा ही हित होता है। जो देश अच्छा करता है वही सुरक्षित और सम्मानित रहता है।

सीमाएं भले ही शांत, चीन से चौकन्ना रहने की जरूरत, उत्तराखंड में बोले सीडीएस अनिल चौहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड की सीमाएं भले शांत हैं, लेकिन चीन सीमा को लेकर सतर्क रहना बेहद जरूरी है। उत्तराखंड में चीन के साथ 350 किलोमीटर और नेपाल के साथ 275 किलोमीटर की सीमा है। इससे यह राज्य सुरक्षा के दृष्टिकोण से संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनता है।

भारत और चीन के बीच कुछ सीमा क्षेत्रों को लेकर मतभेद हैं और उत्तराखंड के बाड़ाहोती क्षेत्र में भी पूर्व में ऐसी स्थितियां देखने को मिली हैं। इसलिए सीमा की निगरानी और सतर्कता में किसी तरह की ढिलाई नहीं होनी चाहिए।

सीमावर्ती गांवों के लोग देश की सीमा पर सजग प्रहरी- चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने ये बातें देहरादून में आयोजित देवभूमि मेगा एक्स सर्विसमैन रैली में कही। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के सीमावर्ती गांवों के लोग देश की सीमा पर सजग प्रहरी की तरह हैं। सीडीएस ने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा केवल सेना की ही नहीं, बल्कि सीमांत गांवों की भी साझा जिम्मेदारी है।

उत्तराखंड का गौरवशाली इतिहास रहा- जनरल अनिल चौहान- उत्तराखंड का गौरवशाली इतिहास रहा है, यहां के लोगों ने हमेशा सीमाओं की रक्षा में अपना योगदान दिया है। जनरल चौहान ने कहा कि उन्हें हिंदी फिल्म 'आंखें' का गीत 'उस मुल्क की सरहद को कोई छू नहीं सकता, जिस मुल्क की सरहद की निगहबान हैं आंखें बेहद प्रिय है, क्योंकि यह हमारे सैनिकों और सीमांत ग्रामीणों की सतर्कता का प्रतीक है।

वकील और जज सुनिश्चित करें कि न्याय प्रणाली हर नागरिक के लिए सुलभ हो, वियतनाम में बोले चीफ जस्टिस गवई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि वकीलों और न्यायाधीशों की यह जिम्मेदारी है कि वे न्याय प्रणाली को मजबूत करें। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इसकी पहुंच सिर्फ महानगरों तक ही सीमित न रहे, बल्कि देश के दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए भी सुलभ हो। वियतनाम के हनोई में आयोजित ला एशिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि न्यायाधीश अपने निर्णयों में जिन सिद्धांतों को व्यक्त करते हैं, वे न्यायालय की प्रशासनिक नीतियों में भी परिलक्षित हों। हाशिये पर पड़े समुदायों को प्रशासनिक नियुक्तियों में उचित हिस्सा मिले- उन्होंने कहा, मैं यह बताना चाहता हूं कि जब मैंने मई में भारत के प्रधान न्यायाधीश का पदभार ग्रहण किया था, तो मेरी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक यह सुनिश्चित करना था कि न्यायालय में प्रशासनिक पदों की भर्ती में सकारात्मक कार्रवाई न केवल कागजों में, बल्कि पूरी तरह से लागू हो। मैंने निर्देश दिया कि हाशिये पर पड़े समुदायों को सभी प्रशासनिक नियुक्तियों में उनका उचित हिस्सा मिले और इन नीतियों को सुसंगत और पारदर्शी तरीके से लागू किया जाए।

गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी और बीआर आंबेडकर द्वारा देखा गया समानता का सपना भारत के संविधान में निहित था और इसने उन लाखों लोगों के भाग्य का रुख मोड़ दिया, जो ऐतिहासिक रूप से हाशिये पर थे और अपने मूल अधिकारों से वंचित थे।

सफेदपोश और परंपरागत अपराधों के बीच अंतर करें कानून निर्माता

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने शनिवार को वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों से निपटनेवाले कानूनों के अमल में अधिक संवेदनशील और नाजुक फर्क करने का आह्वान किया। टीपीएफ-दायित्व-सफेदपोश अपराध से निपटने पर राष्ट्रीय विधि सम्मेलन में उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रभाव वाले हर काम या काम में विफलता को एक ही नजरिये से नहीं देखा जा सकता है। उन्होंने सांसदों से अपील की कि धोखाधड़ी, अनजाने में हुई गलती और प्रक्रियागत चूक के बीच स्पष्ट अंतर करें।

पीएम मोदी ने क्वालकाम के सीईओ से की मुलाकात, AI और नवाचार पर की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका की चिप निर्माण कंपनी क्वालकाम के प्रेसिडेंट और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) क्रिस्टियानो आर. अमोन से मुलाकात की और आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस (एआई) और नवाचार में भारत की प्रगति पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, क्रिस्टियानो आर. अमोन के साथ यह एक बेहतरीन बैठक थी। इसमें एआइ, नवाचार और कौशल विकास में भारत की प्रगति पर चर्चा हुई।

उन्होंने कहा, भारत के सेमीकंडक्टर और एआइ मिशनों के प्रति क्वालकाम की प्रतिबद्धता देखकर बहुत अच्छा लगा। भारत ऐसी प्रौद्योगिकियों के निर्माण के लिए बेजोड़ प्रतिभा और व्यापकता प्रदान करता है, जो हमारे सामूहिक भविष्य को आकार देंगी।

अमोन ने क्या कहा- अमोन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। उन्होंने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत एआइ और भारत सेमीकंडक्टर मिशनों के समर्थन में क्वालकाम और भारत के बीच व्यापक साझेदारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ 6जी में बदलाव पर शानदार बातचीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद। अमोन ने कहा, हम एआइ स्मार्टफोन, पीसी, स्मार्ट ग्लास, वाहन, औद्योगिक और अन्य क्षेत्रों में भारतीय पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के अवसरों से उत्साहित हैं।

इजरायल-हमास के बीच सीजफायर, गाजा में लौटी शांति; लेकिन अब भी कई सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच दो साल से चल रही जंग के बाद शनिवार को गाजा में सीजफायर लागू है। यह समझौता अमेरिका, अरब देशों और तुर्की के दबाव में हुआ। इस लंबे युद्ध ने गाजा को तबाह कर दिया, दसियों हजार लोगों की जान ली और इजरायल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकेला कर दिया।

समझौते के पहले चरण में हमास बाकी बचे बंधकों की रिहाई करेगा और बदले में इजरायल 2 हजार फलिस्तिनियों को छोड़ेगा, जिनमें सैकड़ों कैदी और युद्ध के दौरान पकड़े गए लोग शामिल हैं।

पीछे हटी इजरायली सेना- शुक्रवार दोपहर से युद्धविराम प्रभावी हुआ। इजरायली सेना ने कहा कि उसने गाजा सिटी, खान यूनिस और अन्य इलाकों से पीछे हटकर तय की गई सीमाओं पर लौट आई है। हालांकि, रफा और गाजा के उत्तरी हिस्सों में अब भी इजरायली सैनिक तैनात हैं। सोमवार तक हमास 48 बंधकों को छोड़ेगा, जिनमें लगभग 20 जीवित बताए जा रहे हैं। बदले में इजरायल 2 हजार कैदी छोड़ेगा। हमास ने अब तक कहा है कि वह तभी आखिरी बंधकों को छोड़ेगा जब इजरायली सेना पूरी तरह से गाजा से बाहर जाएगी।

ट्रंप ने हमास को पूर्ण वापसी की गारंटी दी है, हालांकि यह कितने समय में होगा ये अभी तय नहीं है। ट्रंप की 20 सूत्री योजना के मुताबिक, इजरायल गाजा की सीमा पर एक छोटा बफर जोन बनाए रखेगा और मिस्र की सीमा वाले फिलाडेल्फी कॉरिडोर पर नियंत्रण जारी रखेगा। साथ ही, अरब देशों की अगुवाई में एक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल गाजा में तैनात किया जाएगा।

हमास ने 2007 से गाजा पर शासन किया है। अब उसने कहा है कि वह शासन छोड़कर एक फलिस्तीनी तकनीकी समिति को सत्ता सौंपेगा, लेकिन ट्रंप की योजना के तहत अंतरराष्ट्रीय संस्था गाजा की निगरानी करेगा जिसकी अगुवाई पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर कर सकते हैं।

इजरायल चाहता है कि हमास अपने हथियार छोड़ दे, जबकि हमास का कहना है कि उसे सशस्त्र प्रतिरोध का अधिकार है। रिपोर्टों के मुताबिक, हमास अपने हमलावर हथियारों को एक संयुक्त फलिस्तीनी-मिस्र समिति को सौंपने पर विचार कर रहा है।

इजरायल की ओर से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि जब तक हमास की सैन्य ताकत खत्म नहीं होगी, अभियान पूरा नहीं माना जाएगा। दूसरी ओर, इजरायल ने पश्चिमी तट की फलिस्तीनी प्राधिकरण को कोई भूमिका देने से इनकार कर दिया है और फलिस्तीनी राज्य की संभावना को भी खारिज कर दिया है।

क्वांटम दुनिया की नई खोज पर जॉन क्लार्क, मिशेल डेवोरेट और जॉन मार्टिनिस को मिला नोबेल; तीनों ने कर दिखाया कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिजिक्स का 2025 का नोबेल पुरस्कार इस साल जॉन क्लार्क, मिशेल डेवोरेट और जॉन एम. मार्टिनिस को दिया गया है। इन वैज्ञानिकों को यह सम्मान मैक्रोस्कोपिक क्वांटम टनलिंग और इलेक्ट्रिकल सर्किट में ऊर्जा के क्वांटाइजेशन की खोज के लिए मिला है।

उन्होंने साबिक किया कि क्वांटम मैकेनिक्स सिर्फ सूक्ष्म कणों की दुनिया तक सीमित नहीं, बल्कि यह इतनी बड़ी स्केल पर भी काम कर सकती है जिसे हाथ में पकड़ने

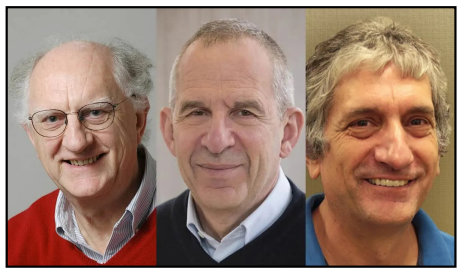

लायक सर्किट में देखा जा सके।

तीनों वैज्ञानिकों ने किया प्रयोग- तीनों वैज्ञानिकों के प्रयोग ने दिखाया कि एक छोटे सुपरकंडक्टिंग सर्किट में इलेक्ट्रॉन एक साथ तरंगों की तरह बाधा पार कर सकते हैं और एकीकृत क्वांटम प्रणाली के रूप में काम कर सकते हैं। यह प्रयोग सैद्धांतिक क्वांटम भौतिकी से वास्तव तकनीक की दिशा में संक्रमण साबित हुआ।

नोबेल समिति के अध्यक्ष ने कहा, क्वांटम मैकेनिक्स सभी डिजिटल तकनीक की नींव है।÷ जॉन क्लार्क ने भी कहा कि उनकी खोज कई मायनों में क्वांटम कंप्यूटरों की बुनिया बन गई। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, यह खोज एक सुपरकंडक्टिंग क्यूबिट्स यानी क्वांटम कंप्यूटरों के प्रमुख हिस्सों की नींव रखती है।

क्या है क्वांटम टनलिंग- क्वांटम टनलिंग का मतलब है, जब कोई कण ऊर्जा की कमी के बावजूद बाधा पार कर लेता है। तीनों वैज्ञानिकों ने दिखाया कि यह प्रक्रिया एक साथ कई ट्रिलियन इलेक्ट्रॉनों द्वारा भी की जा सकती है।

अर्जेंटीना के सिंगर की मेक्सिको में दर्दनाक मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्जेंटीना के जाने-माने गायक फेडे डोरकाज को मेक्सिको में गोली मार दी गई। गोली सीधा मेक्सिको के गले में जाकर लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। फेडे की मौत की असली वजह अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन पुलिस ने इसके पीछे लूटपाट की आशंका जताई है।

फेडे मेक्सिको के मशहूर डांस कॉम्प्टीशन "Las Estrellas Bailan En Hoy" में हिस्सा लेने पहुंचे थे। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, फेडे डांस का रिहर्सल करने के बाद ड्राइव करते हुए घर जा रहे थे, मगर रास्ते में ही उनकी हत्या कर दी गई।

CCTV खंगाल रही पुलिस- यह घटना मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी की है। फेडे की हत्या का कारण जानने के लिए पुलिस पूरे शहर का सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इस दौरान पुलिस के हाथ एक फुटेज लगी है, जिसमें बाइक सवार 4 लोगों पर पुलिस को शक है। चारों संदिग्ध आरोपी मोटरसाइल से भागते नजर आ रहे हैं।

गर्लफ्रेंड ने शेयर की इमोशनल पोस्ट- बता दें कि फेडे मेक्सिकन एक्ट्रेस मारियाना अविला को डेट कर रहे थे। मेक्सिको के डांस कॉम्प्टीशन में फेडे और मारियाना की शानदार परफॉर्मेंस होने वाली थी, मगर इससे पहले ही फेडे की हत्या हो गई। फेडे की मौत के बाद मारियाना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, इस पूरी दुनिया में तुम हमेशा मेरे सबसे पसंदीदा व्यक्ति रहोगे। मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं और हमेशा करती रहूंगी।

पाक पर बरपा अफगानी कहर! रातभर चले ऑपरेशन में 58 सैनिक ढेर, 25 चेक पोस्ट पर कब्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने रविवार को कहा कि उसने रात भर सीमा पर चलाए गए अभियानों में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया। यह कार्रवाई उसने अपने क्षेत्र और हवाई क्षेत्र में बार-बार हो रहे उल्लंघन के जवाब में की।

इसी सप्ताह की शुरुआत में, अफगान अधिकारियों ने पाकिस्तान पर राजधानी काबुल और देश के पूर्वी हिस्से में एक बाजार पर बमबारी करने का आरोप लगाया था। पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

25 चौकियों पर कब्जा, 58 सैनिकों की मौत- तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता, जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान बलों ने 25 पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया है, 58 सैनिक मारे गए हैं और 30 अन्य घायल हुए हैं। जंग ऐसे समय शुरू हुई है जब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी भारत दौरे पर हैं। जब मुत्तकी का भारत दौरा शुरू हुआ था तो पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की थी।

पाई-पाई को मोहताज पाकिस्तान युद्ध लड़ने को तैयार? वक्त शहबाज शरीफ की अफगानिस्तान को गीदड़भभकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर तनाव बरकरार है। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर एयर स्ट्राइक करना पाकिस्तान को काफी महंगा पड़ा है। कई सैनिकों की मौत के बावजूद पाकिस्तान नरमी बरतने को तैयार नहीं है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अफगानिस्तान के पलटवार की घोर निंदा की है।

अफगान सेना ने आधी रात को न सिर्फ दुरंड रेखा पर मोर्चा खोल दिया, बल्कि पाकिस्तान की कई चौकियों पर कब्जा भी कर लिया है। इस हमले में 60 के लगभग पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं।

पाक पीएम ने क्या कहा- पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसपर बयान देते हुए कहा कि अफगानिस्तान के द्वारा यह उकसावा निंदनीय है। इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है, क्योंकि पाकिस्तान अपनी सुरक्षा से कभी समझौता नहीं करेगा।

पाकिस्तान के पीएम का कहना है- पाकिस्तान की रक्षा से समझौता नहीं किया जाएगा। हर उकसावे का मुंहतोड़ और करारा जवाब दिया जाएगा।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर चल रहे तनाव के लिए शहबाज शरीफ ने तालिबान नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि तालिबान की वजह से अफगानिस्तान की धरती पर आतंकवाद पनप रहा है।

पाकिस्तान ने काबुल पर किया था हमला- बता दें कि पाकिस्तानी सेना ने काबुल पर शुक्रवार को एयर स्ट्राइक कर दी थी, जिसके जवाब में तालिबान के नेतृत्व वाली अफगानिस्तानी सेना ने भी सीमा पर हमला शुरू कर दिया। इस हमले में कई पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई है।

अफगानिस्तान ने दबाई दुखती रग तो तड़प उठा पाकिस्तान, अफगान राजदूत को क्यों भेजा समन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-अफगानिस्तान के संयुक्त बयान पर पाकिस्तान ने कड़ी आपत्तियां व्यक्त कीं। इसके साथ ही अफगान राजदूत को तलब किया है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे और छह दिवसीय भारत दौरे पर हैं।

विदेश कार्यालय (एफओ) ने एक बयान में कहा कि अतिरिक्त विदेश सचिव (पश्चिम एशिया और अफगानिस्तान) ने संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में अफगान दूत को पाकिस्तान की कड़ी आपत्तियों से अवगत कराया।

क्या बोला पाकिस्तान- विदेश कार्यालय ने कहा, यह बताया गया कि जम्मू एवं कश्मीर को भारत का हिस्सा बताना संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों का स्पष्ट उल्लंघन है।

संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, अफगानिस्तान ने अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और भारत सरकार और वहां की जनता के प्रति संवेदना और एकजुटता व्यक्त की है। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय देशों से उत्पन्न सभी आतंकवादी कृत्यों की स्पष्ट रूप से निंदा की और क्षेत्र में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। इस्लामाबाद ने मुत्ताकी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि आतंकवाद पाकिस्तान का आंतरिक मुद्दा है। वक्तव्य में इस बात पर जोर दिया गया कि आतंकवाद को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी पाकिस्तान पर डालने से अफगान अंतरिम सरकार क्षेत्रीय शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के अपने दायित्वों से मुक्त नहीं हो सकती।

क्या आपका कोई सपना अभी भी अधूरा है? पोती के सवाल पर क्या बोले डोनल्ड ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के बड़े बिजनेसमैन रहे डोनल्ड ट्रंप 2 बार राष्ट्रपति बन चुके हैं। वहीं, ट्रंप अमेरिका के सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं, जिन्हें दोबारा राष्ट्रपति पद पर बैठने का मौका मिला है। अब ट्रंप का ऐसा कौन सा सपना है, जिसे वो पूरा करना चाहते हैं? अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुद इस सवाल का जवाब दिया है।

यह सवाल किसी और ने नहीं बल्कि उनकी पोती काई ट्रंप ने पूछा है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

काई के साथ गोल्फ खेलते हुए ट्रंप ने बताया है कि उनका सपना क्या है- ट्रंप को गोल्फ खेलना काफी पसंद हैं और उनकी सबसे बड़ी पोती काई ट्रंप भी गोल्फ की खिलाड़ी हैं। ट्रंप अक्सर काई के साथ गोल्फ खेलने जाते हैं। हाल ही में जब ट्रंप पोती के साथ गोल्फ खेलने गए, तो काई ने उनसे कुछ सवाल पूछे।

काई ने ट्रंप से पूछा सवाल- ट्रंप का यह इंटरव्यू काई की यूट्यूब सीरीज वन ऑन वन विद काई के लिए था। इस दौरान काई ने ट्रंप से पूछा, क्या आपका कोई सपना अभी भी अधूरा है, जिसे पूरा करने के लिए आप कोशिश कर रहे हैं?

इसपर ट्रंप ने कहा-तुम ऐसे सवाल पूछ रही हो, जैसे मैं टीवी पर हूं। तुम राष्ट्रपति बनो, मेरा यही सपना है। लेकिन, अब तुम्हें एक महान राष्ट्रपति बनना चाहिए।

ट्रंप की चहेती हैं काई- ट्रंप का जवाब सुनकर काई ने कहा, आप बेहतरीन काम कर रहे हैं। बता दें कि काई ट्रंप, डोनल्ड ट्रंप के बड़े बेटे डोनल्ड ट्रंप जूनिया और उनकी पूर्व पत्नी वैनेसा ट्रम्प की बेटी हैं। काई ने ट्रंप से

बाढ़ से बचाया गया हाथी का बच्चा, लेकिन मां ने अपनाने से कर दिया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक हाथी के बच्चे का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस बच्चे को बाढ़ से बचाया गया था। यह हाथी का बच्चा महज 15 दिन का है। वन अधिकारियों ने रेस्क्यू के बाद जब हाथी के बच्चे को उसकी मां से मिलाने की कोशिश की गई, तो उसने उसे स्वीकार करने से मना कर दिया।

वीडियो भारतीय वन सेवा के अधिकारी परवीन कासवान ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया 29 सेकेंड की इस क्लिप में हाथी के बच्चे को पिकअप ट्रक से उतारा जा रहा है। इस बच्चे को उसकी मां द्वारा ठुकराए जाने के बाद उसके नए घर में शिफ्ट किया गया है।

भारतीय वन सेवा के अधिकारी ने शेयर किया वीडियो- भारतीय वन सेवा के अधिकारी परवीन कासवान ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, हाल ही में एक अन्य जिले में आई बाढ़ के दौरान नदी से 15 दिन के एक हाथी के बच्चे को बचाया गया। उसकी मां से मिलाने के असफल प्रयासों के बाद अंतिम उपाय के रूप में वह हमारे एक पिलखाना में विशेषज्ञों की देखरेख में है।उन्होंने लिखा कि यह बच्चा बेहद स्वस्थ है और पूरी तरह से सक्रिय है। उन्होंने कहा कि वह अच्छा रिस्पॉन्स दे रहा है। इस वीडियो को अब तक 47 हजार से ज्यादा बार देखा जा चुका है। लोगों ने हाथी के बच्चे की जान बचाने के लिए वन अधिकारियों की प्रतिबद्धता की सराहना की। कई लोगों को उस पर तरस भी आया। एक यूजर ने इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, एक और जान बचाने के लिए टीम को सलाम। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, इस उम्र में मां से दूर रहना इस बच्चे के लिए काफी कठिन होगा। आपकी टीम की देखरेख में वह इससे उबर तो जाएगा, लेकिन उसका जख्म हमेशा के लिए रह जाएगा।

सोनाली घोष को मिला आइयूसीएन केंटन मिलर पुरस्कार, यह सम्मान पाने वाली बनीं पहली भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं बाघ अभयारण्य की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सोनाली घोष अबू धाबी में आयोजित आइयूसीएन विश्व संरक्षण सम्मेलन में राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों की स्थिरता में नवाचार के लिए प्रतिष्ठित डब्ल्यूसीपीए -केंटन मिलर पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।

यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने दुनियाभर के राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों की दीर्घकालिक स्थिरता में अपना बड़ा योगदान दिया है। डॉ. घोष को यह सम्मान जैव विविधता संरक्षण और राष्ट्रीय उद्यानों के प्रबंधन में भारत के बढ़ते नेतृत्व को दर्शाता है।

उनका कार्य पार्क प्रबंधन को मजबूत करने, संरक्षण प्रयासों में स्थानीय समुदायों को शामिल करने तथा पर्यावरण अनुकूल पर्यटन माडल को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह पर्यावरण संरक्षण और सतत आजीविका सृजन दोनों को सुनिश्चित करता है।

अगर कॉफी बनाना सीख गए हैं तो..., राहुल गांधी की साउथ अमेरिका यात्रा को लेकर भाजपा का तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दक्षिण अमेरिका यात्रा पर सवाल उठाए। वह 26 सितंबर से वहां हैं। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस से जवाब मांगा।

एक्स पर एक पोस्ट में मालवीय ने कहा, अब 15 दिन से ज्यादा हो गए हैं और उनकी यात्रा के असली मकसद से ध्यान भटकाने के लिए बनाए गए कुछ वीडियो के अलावा, पूरी तरह से सन्नाटा है। मालवीय ने उनके अन्य कार्यक्रमों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, राहुल गांधी आखिर कहां हैं और दक्षिण अमेरिका में क्या कर रहे हैं? इतनी गोपनीयता क्यों?

चुनाव आ गया है, अब तो लौट आएं- इससे पहले मालवीय ने शनिवार को अपने एक्स हैंडल पर लिखा, अगर राहुल गांधी कोलंबिया में कॉफी बनाना सीख चुके हैं और छुट्टियां मना रहे हैं तो उन्हें भारत लौट आना चाहिए। बिहार चुनाव की घोषणा हो चुकी है और एक महीने से भी कम समय में मतदान शुरू हो जाएगा। महागठबंधन फिर हारेगा। और, हमेशा की तरह, कांग्रेस अपने लापता नेता को छोड़कर, सबको दोष देगी! इससे पहले, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पिछले दस वर्षों में राहुल गांधी के विदेश दौरों की जांच की मांग की थी।

दिल्ली के जैन मंदिर में चोरी, शिखर पर जड़ा 30 किलो का कलश रातोंरात गायब

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर में जैन मंदिर से चोरी की वारदात सामने आई है। जहां करीब 40 लाख रुपये कीमत का सोने मढ़ा कलश चोरी हो गया है। यह घटना शुक्रवार रात की है। जब लोग करवा चौथ का त्यौहार बना रहे थे। मंदिर से कलश चोरी की घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर स्थित जिस जैन मंदिर से कलश चोरी हुई। उस कलश का वजन लगभग 25 से 30 किलोग्राम था। पुलिस ने बताया कि जैन मंदिर के शिखर से करीब 40 लाख रुपये मूल्य का सोने का कलश कथित तौर पर चोरी हो गया। पुलिस के अनुसार, यह घटना लाल किले के निकट एक जैन धार्मिक आयोजन से लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य की चोरी की घटना के कुछ दिन बाद हुई है।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना- एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, जैन मंदिर से चोरी हुए कलश का वजन लगभग 25 से 30 किलोग्राम है और यह तांबे और सोने से बना है। चोरी की यह पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। चोरी की यह घटना शुक्रवार देर रात को हुई, जब इलाके के अधिकांश लोग करवा चौथ के त्यौहार में व्यस्त थे।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी बिजली के तारों का उपयोग करके मंदिर की छत पर चढ़े, शिखर तक पहुंचे और सोने की परत चढ़े कलश को हटाकर भाग गए। शनिवार सुबह जब स्थानीय लोगों ने मंदिर के ऊपर से कलश गायब देखा तो इसकी सूचना मंदिर प्रबंधन को दी।

पुलिस कर रही जांच- पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में एक युवक रात करीब 11.45 बजे बाहर घूमता हुआ दिखाई दे रहा है, फिर वह ऊपर चढ़कर कथित तौर पर कलश ले गया। फिलहाल मामला दर्ज कर लिया गया है और और आस-पास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज का उपयोग करके संदिग्ध की पहचान करने और उसका पता लगाने की कोशिश जारी है।

आलोचना के बाद अफगानी विदेश मंत्री का यू-टर्न, प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए महिला पत्रकारों को किया Invite

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने रविवार को नई दिल्ली में एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है, जिसमें इस बार महिला पत्रकारों को आमंत्रित किया गया है। इससे पहले शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में उन्हें शामिल नहीं किए जाने पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ी थी।

एक हफ्ते के लिए भारत दौरे पर आए मुत्ताकी को उस वक्त आलोचना का शिकार होना पड़ा जब उन्होंने पिछली प्रेस वार्ता में किसी भी महिला पत्रकार की एंट्री पर रोक लगा दी थी। मुत्ताकी के इस कदम की पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और महिला अधिकारों के पैरोकारों ने निंदा की थी।

नई प्रेस मीटिंग के लिए नया निमंत्रण- एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया और इंडियन विमेंस प्रेस कॉर्प्स (आईडब्ल्यूपीसी) ने महिला पत्रकारों को बाहर रखे जाने को अत्यधिक भेदभावपूर्ण करार दिया था, तथा राजनयिक विशेषाधिकार या वियना कन्वेंशन के तहत किसी भी औचित्य को खारिज कर दिया था। बढ़ती आलोचना के बीच, अफगान विदेश मंत्री की टीम ने रविवार की प्रेस वार्ता के लिए नए निमंत्रण जारी किए और इसे सभी मीडिया कर्मियों के लिए खुला कार्यक्रम बताया।

भारत सरकार ने क्या कहा- तालिबान के वरिष्ठ नेता मुत्ताकी 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे। उनकी यह यात्रा तालिबान सरकार द्वारा महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और सार्वजनिक भागीदारी को प्रतिबंधित करने वाली अपनी नीतियों पर चल रही आलोचना के बावजूद क्षेत्रीय देशों के साथ फिर से जुड़ने के प्रयासों के बीच हो रही है। भारी आलोचना का सामना करते हुए, भारत सरकार ने स्पष्ट किया कि पिछली प्रेस वार्ता के आयोजन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री द्वारा कल दिल्ली में आयोजित प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय की कोई भूमिका नहीं थी।

बहुत बड़ी गलती थी..., ऑपरेशन ब्लू स्टार और इंदिरा गांधी को लेकर ये क्या बोले पी चिदंबरम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर कहा कि यह फैसला तत्काली प्रधानमंत्री ने अकेले नहीं लिया, बल्कि यह संयुक्त निर्णय था। जो बहुत गलत था। इसकी कीमत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को जान देकर चुकानी पड़ी।

दरअसल, कांग्रेस नेता पी। चिदंबरम शनिवार को हिमाचल प्रदेश के कसौली में खुशवंत सिंह साहित्य महोत्सव में लिटरेचर फेस्टिवल में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन ब्लू स्टार को बड़ी गलती बताया। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि पंजाब में खालिस्तान की मांग अब खत्म हो चुकी है।

अकेले इंदिरा गांधी का फैसला नहीं- कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर कहा कि यह फैसला अकेले इंदिरा गांधी का नहीं था। इसमें सेना, पुलिस, खुफिया विभाग और सिविल सेवा सभी की सहमति थी। इसके बाद ही फैसला लिया गया था, लेकिन इसके लिए सिर्फ इंदिरा गांधी को दोषी ठहराया जाता है, जो कि गलत है।

उन्होंने कहा कि मैं किसी भी सैन्य अधिकारी का अनादर नहीं कर रहा हूं, लेकिन वह (ब्लू स्टार) स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने का एक गलत तरीका था। कुछ साल बाद, हमने सेना को बाहर रखकर स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने का सही रास्ता दिखाया।

खालिस्तान की मांग खत्म- पी चिदंबरम ने खालिस्तान के मांग की लेलकर कहा कि आज पंजाब में पूरी तरह से खालिस्तान की खत्म हो चुकी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण सप्तमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

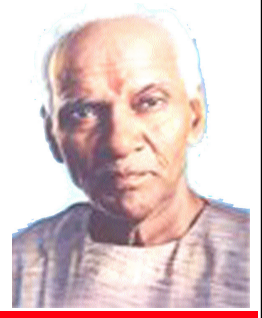

संपादकीय

ग्रामीण भारत में, साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता से अधिक है....

ग्रामीण भारत में, साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता से अधिक है, जो आजीवन सीखने और आजीविका की नींव प्रदान करती है। फिर भी, दशकों की प्रगति के बावजूद, अल्पविकसित समुदायों में बड़ी संख्या में बच्चे मूलभूत पढ़ने के कौशल के साथ संघर्ष करना जारी रखते हैं।

सही उम्र में धाराप्रवाह पढ़ने में असमर्थता न केवल अकादमिक प्रदर्शन को बाधित करती है, बल्कि जीवन में बाद में अवसरों के लिए दरवाजे भी बंद कर देती है, उच्च शिक्षा से लेकर सम्मानजनक रोजगार तक।

अकेले स्कूल इस अंतर को पाट नहीं सकते। ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर कम-से-कम, एक एकल शिक्षक को विभिन्न पढ़ने के स्तर पर, 30-40 बच्चों के कई ग्रेड या कक्षाओं को संभालने के साथ काम किया जा सकता है। पाठ्यक्रम को पूरा करने का दबाव व्यक्तिगत ध्यान के लिए बहुत कम जगह छोड़ देता है। नतीजतन, कई बच्चों को बुनियादी साक्षरता में महारत हासिल किए बिना साल-दर-साल पदोन्नत किया जाता है, जिससे सीखने की कमी पैदा होती है जो केवल समय के साथ चौड़ी होती है।

एक सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है जो समुदायों को जुटाता है, पुस्तकों तक पहुंच को मजबूत करता है, और जमीन से पढ़ने की संस्कृति का पोषण करता है।

यहां, जमीनी स्वयंसेवक एक अमूल्य भूमिका निभा सकते हैं। स्थानीय युवा, महिलाएं या सेवानिवृत्त शिक्षक अपने समुदायों के भीतर चैंपियन पढ़ने के रूप में आगे बढ़ सकते हैं।

वे न केवल पढ़ने के सत्रों का नेतृत्व करते हैं और बच्चों को कहानियों का पता लगाने के लिए प्रेरित करते हैं, बल्कि व्यक्तिगत सहायता भी प्रदान करते हैं जो कक्षाएं अक्सर नहीं कर सकती हैं। स्वयंसेवक अपने पढ़ने के स्तर के अनुसार बच्चों को समूहीकृत करके, केंद्रित इनपुट देकर, प्रगति की निगरानी और सहकर्मी सीखने को बढ़ावा देकर अंतर को पालते हैं। यह अनुरूप दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी बच्चा पीछे न रहे और प्रत्येक छात्र अपनी गति से पढ़ने के कौशल को मजबूत कर सके।

प्रथम द्वारा वार्षिक शिक्षा रिपोर्ट (स्थ्रक्र) 2024 में इस कार्य की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला गया है, जिससे पता चलता है कि प्रगति के बावजूद, ग्रामीण सीखने में लगातार अंतराल बने हुए हैं। उदाहरण के लिए, कक्षा ढ्ढढ्ढ के सरकारी स्कूली बच्चों की कक्षा ढ्ढढ्ढ-स्तरीय पाठ पढ़ने में सक्षम हिस्सेदारी 2022 में 16.3 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 23.4 प्रतिशत हो गई, स्थ्रक्र शुरू होने के बाद से उच्चतम स्तर।

कक्षा ङ्क के छात्रों में, पढ़ना प्रवाह एक ही अवधि में 38.5 प्रतिशत से बढ़कर 44.8 प्रतिशत हो गया। ये आंकड़े इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि मूलभूत साक्षरता में सुधार हो रहा है, लेकिन बच्चों के बड़े वर्ग में अभी भी ग्रेड-स्तर के कौशल की कमी है, जो समुदाय-संचालित, स्वयंसेवक के नेतृत्व वाले पठन हस्तक्षेपों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। पुस्तकों तक पहुंच एक और महत्वपूर्ण एनबलर है। उम्र-उपयुक्त और आकर्षक सामग्री के साथ स्टॉक किए गए छोटे, स्कूल या समुदाय-आधारित पुस्तकालय कक्षा के बाहर पढ़ने की आदत बनाने में मदद करते हैं। जब बच्चे उन कहानियों के संपर्क में आते हैं जो उनकी वास्तविकताओं को दर्शाती हैं या उनकी कल्पना को चिंगारी देती हैं, तो पढ़ने का आनंद आत्मनिर्भर हो जाता है। महाराष्ट्र के चंद्रपुर के आसपास के गांवों के साक्ष्य, जो संभव है उसकी झलक प्रदान करते हैं। एक ग्रामीण रीडिंग प्रमोशन प्रोग्राम, जिसे 2019 में लॉन्च किया गया था और 2022-2024 के बीच मूल्यांकन किया गया था, ने सभी ग्रेड में पढ़ने में लगातार ऊपर की ओर रुझान का खुलासा किया, सामुदायिक स्वयंसेवकों को पुष्तक परियों कहा जाता है।

विश्व दृष्टि दिवस

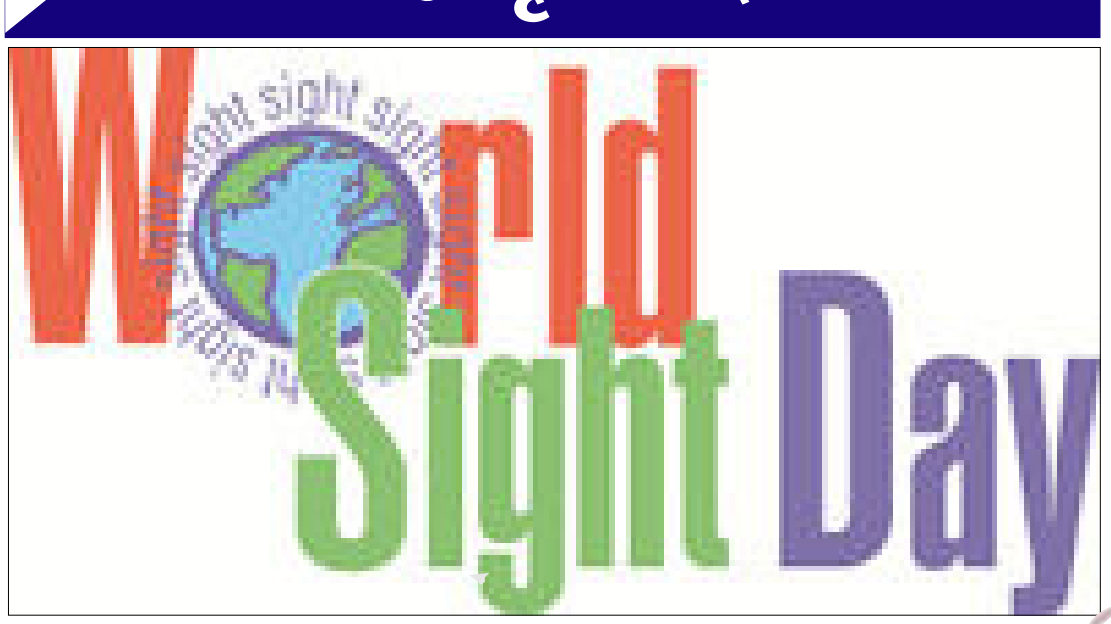

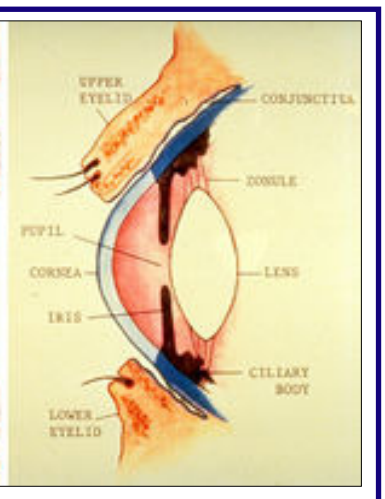

विश्व दृष्टि दिवस प्रतिवर्ष अक्टूबर महीने के दूसरे गुरुवार को मनाया जाता है। यह दिवस धुंधली दृष्टि (खराब दृष्टि); अंधापन के साथ-साथ दृष्टि संबंधित समस्याओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस का केंद्रीय बिंदु अंधेपन की रोकथाम के बारे में लक्षित दर्शकों को शिक्षित तथा विज़न 2020 एवं विज़न 2020 कार्यक्रम की गतिविधियों के बारे में सहयोग उत्पन्न करना हैं। इस वर्ष विश्व दृष्टि दिवस का विषय कार्रवाई करने के लिए मिलजुल कर सशक्त बनें है।

तेज़ीसे बढ़ती नेत्रहीनता- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक अनुमान के अनुसार, विश्वभर में लगभग 285 मिलियन लोग नेत्रहीन हैं। इनमें से 39 लाख लोग अंधे और 246 मिलियन लोग मध्यम या गंभीर दृष्टि दोष वाले हैं। दृष्टि दोष के प्रमुख कारणों में असंशोधित अपवर्तक कमियां (43%) और मोतियाबिंद (33%) हैं। अधिकांश अंधेपन (लगभग 80%) का बचाव यानि कि उपचार या रोकथाम की जा सकती है।

रोकथाम- अंधेपन की रोकथाम सभी स्वास्थ्य हस्तक्षेप में सबसे सस्ती-सुलभ एवं सफल हस्तक्षेप हैं। विश्व दृष्टि दिवस विज़न 2020 एक वैश्विक पहल है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2020 तक टालने योग्य अंधेपन को समाप्त करना है। इसका शुभारंभ 18 फरवरी 1999 में 20 से ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी नेत्र देखभाल संगठनों के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दृष्टिहीनता रोकथाम के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसी, आईएपीबी के तौर पर किया गया था।

आँखों की देखभाल

आँखों के अच्छे स्वास्थ्य को कैसे बनाए रखा जा सकता हैं

अच्छी दृष्टि के लिए स्वस्थ आहार का सेवन करें। संतुलित आहार का सेवन करें। अपने आहार में हरी पत्तेदार सब्जियों, अंडे, फलियों एवं गाजर को अधिक से अधिक मात्रा में शामिल करें।

धूमपान छोड़ें- धूम्रपान, मोतियाबिंद, ऑप्टिक एवं तंत्रिका क्षति के साथ-साथ दृष्टि से संबंधित कई तरह की समस्याओं को पैदा कर सकता है।

सूर्य की रोशनी के प्रत्यक्ष प्रभाव को रोकने के लिए यूवी संरक्षित धूप का चश्मा पहनें, जो कि आपकी आंखों की सुरक्षा के लिए बेहतर है।

सुरक्षा चश्मा पहनें। यदि आप कार्यस्थल पर खतरनाक पदार्थों से काम करते हैं, तो आपको अपनी आंखो की रक्षा करने के लिए सुरक्षा चश्मा अवश्य पहनना चाहिए।

यदि आप लंबी अवधि तक कंप्यूटर पर काम करते हैं, तो यह सुनिश्चित करें, कि आप अक्सर बीच-बीच में उठेंगे, आँखों का सूखापन कम करने के लिए आँखों को अधिक से अधिक बार झपकें।

टेलीविजन देखते या कंप्यूटर पर काम करते हुए एंटी ग्लेयर चश्मा पहनने की सलाह दी जाती है।

मंद प्रकाश में न पढ़े। यह आँखों को होने वाली परेशानियों के प्रमुख कारणों में से एक है।

आँखों के बेहतर स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अपनी आँखों की नियमित जांच कराएं।

खिड़कियों एवं लाइट द्वारा कंप्यूटर पर पड़ने वाली चकाचौंध से बचने की कोशिश करें। यदि आवश्यक हों, तो एंटी ग्लेयर स्क्रीन का उपयोग करें।

यदि आप कॉन्टेक्ट लेंस पहनते हैं, तो उन्हें लंबी अवधि तक पहनने से बचें, कॉन्टेक्ट लेंस पहनते हुए तैराकी एवं सोने से बचें।

अपनी आँखों को आराम देने के लिए हर बीस मिनट में बीस फीट की दूरी पर बीस सेकंड के लिए देखें।

नेत्रदान करें

एनएसई रोज झेलता 17 करोड़ साइबर हमले, योद्धाओं की ये टीम न हो तो ट्रेडिंग हो जाएगी ठप्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को रोज लगभग 17 करोड़ साइबर हमलों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बिना अड़चन के ट्रेडिंग सुनिश्चित करने के लिए एक्सचेंज को चौबीस घंटे काम करने के लिए 'साइबर योद्धाओं' की एक समर्पित टीम की आवश्यकता होती है।

एनएसई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान एक दिन में सबसे अधिक 40 करोड़ साइबर हमलों का सामना करना पड़ा था। इसे डीडीओएस सिमुलेशन के रूप में डिजाइन किए गया था। हालांकि, साइबर हमलावर कर्मियों, मशीनों और एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज के समन्वित प्रयासों के कारण कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाए।

एडवांस्ड सॉफ्टवेयर से होता है बचाव

एनएसई के एक सीनियर अधिकारी के अनुसार एक्सचेंज पर हर दिन लाखों साइबर हमले होते हैं। लेकिन हमारी तकनीकी टीमें, उनका सिस्टम और तकनीक विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग करके चौबीसों घंटे इन हमलों का मुकाबला करती हैं।

उन्होंने कहा कि साइबर हमलों की संख्या प्रतिदिन 15 करोड़ से 17 करोड़ के बीच है, जिससे टीमों और सिस्टम्स के लिए यह कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है। दोनों साइबर सुरक्षा केंद्रों की तकनीकी टीमें लगातार सक्रिय रहती हैं और फाइनेंशियल मार्केट के इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़े पैमाने पर होने वाले हमलों को बेअसर करने और उन्हें रोकने के लिए एडवांस्ड सॉफ्टवेयर से लैस हैं।

अधिकारी के अनुसार तकनीकी रूप से दक्ष कर्मियों, मशीनों और तकनीक से युक्त मजबूत साइबर सुरक्षा संरचना, एनएसई के संचालन को सुरक्षित बनाती है।

'पॉप-अप' और 'अलर्ट'- एनएसई ने अपने ऑपरेशन के लिए मजबूत आंतरिक साइबर सुरक्षा उपाय लागू किए हैं और एनएसई एकेडमी के जरिए एक साइबर सुरक्षा बेसिक ट्रेनिंग प्रोग्राम भी चलाया जाता है। अधिकारियों के अनुसार, ट्रेडिंग सदस्यों को नियमित रूप से साइबर सुरक्षा और साइबर-जुझारू क्षमता ऑडिट करवाना पड़ता है, जिसके परिणाम एक्सचेंज को प्रस्तुत किए जाते हैं।

सुरक्षा व्यवस्था में ई-मेल, बाहरी डेटा, पेन ड्राइव और डिस्ट्रिब्यूटिड डिनायल ऑफ सर्विस (डीडीओएस) हमलों से सुरक्षा के लिए सख्त प्रोटोकॉल शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन माध्यमों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि का पता चलने पर 'पॉप-अप' और 'अलर्ट' तुरंत जारी किए जाते हैं।

ट्रंप जिन् ह चिप को लेकर हेकड़ी दिखा रहे, उन्हीं पर चीन ने कस दी नकेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड वार चरम पर है। जहां एक तरफ ट्रंप ने चीन पर और 100 फीसदी टैरिफ का एलान किया है वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी चिप आयात पर चीन ने सख्ती दिखाई है। अब इसका असर अमेरिकी चिप कंपनियों के शेयरों में गिरावट के रूप में दिख रहा है।

चीन ने क्वालकॉम के इजराइली चिप निर्माता ऑटोटॉक्स के अधिग्रहण की जांच शुरू कर दी है। जिसे चीनी प्रतिस्पर्धा-विरोधी कानून के संभावित उल्लंघन का संकेत माना जा रहा है। इसके बाद क्वालकॉम के शेयरों में 7.3त्न और एनवीडिया के शेयरों में लगभग 5त्न की गिरावट आई है।यह नई जांच उस पूर्व दावे के बाद की गई है जिसमें कहा गया था कि एनवीडिया ने मेलानॉक्स के अधिग्रहण के साथ प्रतिस्पर्धा-विरोधी कानूनों का उल्लंघन किया है। चीनी नियामकों ने कथित तौर पर कंपनियों को एनवीडिया चिप्स का ऑर्डर बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

चीन ने एनवीडिया सहित अमेरिकी चिप्स पर आयात प्रतिबंधों को और तेज कर दिया है। बीजिंग घरेलू सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा देने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। सेमीकंडक्टर शिपमेंट की सख्त जांच के लिए चीनी सीमा शुल्क अधिकारियों को प्रमुख बंदरगाहों पर भेजा गया है। इन कड़ी निगरानी से एनवीडिया के एच20 और आरटीएक्स प्रो 6000डी प्रभावित हुए।

ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की ट्रंप की धमकी का असर, डेनमार्क ने की 1 लाख करोड़ से अधिक के हथियार की इस कंपनी से डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेनमार्क जहाजों और विमानों पर 8.5 अरब डॉलर (7,5,411 करोड़ रुपये) खर्च करने की योजना बना रहा है। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के उस दावे के बाद लिया गया है जिसमें वह इस द्वीप को खरीदने की बात कह रहे हैं।

इस बयान से कोपेनहेगन ग्रीनलैंड खुद को असुरक्षित मान रहा है- डेनमार्क के अधिकारियों के अनुसार, यह खरीदारी व्हाइट हाउस को यह दिखाने के लिए की जा रही है कि डेनमार्क ग्रीनलैंड में सुरक्षा को गंभीरता से ले रहा है। जबकि ट्रंप और उनके बड़े सहयोगियों ने कोपेनहेगन पर स्वशासित डेनिश क्षेत्र को चीन और रूस के अतिक्रमण के लिए खुला छोड़ने का आरोप लगाया है।

द्वीप में खनिजों की भरमार - ट्रंप ने इस गहमागहमी से स्पष्ट कर दिया था कि वह अभी भी खनिजों से भरा द्वीप को खरीदने में रुचि रखते हैं। डेनमार्क आर्कटिक की सुरक्षा के लिए 4 अरब डॉलर खर्च करेगा, जिसमें दो नए आर्कटिक जहाज, कई समुद्री गश्ती विमान और ड्रोन खरीदना या पट्टे पर लेना शामिल है।

इस निवेश में डेनमार्क की आर्कटिक कमान के लिए एक नया हेडक्वॉर्टर, ग्रीनलैंड और डेनमार्क के बीच एक उत्तरी अटलांटिक सबसी केबल और पूर्वी ग्रीनलैंड में एक पूर्व चेतावनी रडार भी शामिल होगा।

कुल 1 लाख करोड़ रुपये की खरीद डील- इसके अलावा वह 4.5 बिलियन डॉलर अमेरिका से 16 नए स्न-35 जेट लड़ाकू विमानों की खरीद पर खर्च करेगा। यानी कुल मिलाकर 13 बिलियन डॉलर (करीब 1,15,334 करोड़ रुपये) निवेश किए जाएंगे। जिससे डेनमार्क के बेड़े में 43 विमान हो जाएंगे। F-35 जेट लड़ाकू विमान लॉकहीड मार्टिन कंपनी बनाती है। जनवरी में हुए एक सर्वे के अनुसार, ग्रीनलैंड के अधिकांश लोग अमेरिका के विलय के विचार का विरोध करते हैं। मार्च में अपनी यात्रा के दौरान, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ग्रीनलैंड के निवासियों से डेनमार्क के साथ हर तरह का रिश्ता तोड़ने को कहा था और कहा था कि कोपेनहेगन ने 60,000 लोगों वाले इस द्वीप की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं।

एल्यूमिनियम बनेगा अगला कॉपर! ऐसा दावा क्यों कर रहे एक्सपर्ट? आप कैसे कर सकते हैं इसमें निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। हफ्तेभर में सोना 4,000 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंचा और चांदी भी रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब पहुंच गया। जबकि प्लैटिनम इस साल अब तक लगभग 80त्न ऊपर है। कीमती धातुओं के अलावा, पिछले कुछ सालों में तांबे जैसी औद्योगिक धातुओं का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। अपने कई खास उपयोगी गुणों के बावजूद, एल्युमीनियम को काफी हद तक नजरअंदाज किया जाता है। लेकिन अब वह दिन दूर नहीं जब एल्यूमिनियम अगला कॉपर बन कर दिखाएगा! जल्द ही स्थिति बदलने वाली है। हम ऐसा क्यों कह रहे हैं और एल्यूमिनियम में कैसे निवेश कर सकते हैं इसके बारे में आज विस्तार से बताएंगे।

एल्युमीनियम का उपयोग कई तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में होता है। ब्लूमबर्गएनईएफ के अनुसार, तांबे, लिथियम और स्टील के साथ, यह उन चार प्रमुख धातुओं में से एक है जिनकी नए ऊर्जा स्रोतों में बदलाव के लिए आवश्यकता है। लेकिन एल्युमीनियम उत्पादन में बिजली भी एक महत्वपूर्ण घटक है और बिजली की कमी होती जा रही है।

पिछले दो दशकों में एल्युमीनियम का उत्पादन ज्यादातर समय अधिशेष में रहा है। क्योंकि दुनिया में एल्युमीनियम का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता और उपभोक्ता चीन ने सस्ती कोयला आधारित बिजली का इस्तेमाल करके अपनी उत्पादन क्षमता में तेजी से बढ़ोतरी की है।

किसने बनाया दुनिया का सबसे बड़ा होटल, हजारों की संख्या में है कमरे; आखिर कौन है इसका मालिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया भर में लाखों होटल हैं जो दुनिया भर में सफर करने वालों को सर्विसेज देते हैं। इन होटलों को उनकी सेवाओं और लग्जरी के हिसाब से रेटिंग दी जाती है, जिसमें सबसे फेमर होटल को 5-स्टार और 7-स्टार रेटिंग भी मिलती है।

होटलों का साइज भी अलग-अलग होता है, जिनमें कई होटल काफी बड़े हैं। पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे बड़ा होटल कहां है? ये भारत, यूरोप या अमेरिका में नहीं, बल्कि मलेशिया में है। जिल

होटल के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं, वो कमरों की संख्या के हिसाब से सबसे बड़ा होटल है। इसके नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है।

ये है दुनिया का सबसे महंगा होटल- मलेशिया के पहांग के जेंटिंग हाइलैंड्स में मौजूद, फर्स्ट वर्ल्ड होटल के पास 7,351 कमरों के साथ, दुनिया का सबसे बड़ा होटल होने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। होटल के नीचे फर्स्ट वर्ल्ड प्लाजा है, जो 46,000 वर्ग मीटर (500,000 वर्ग फुट) में फैला एक शॉपिंग और एंटरटेनमेंट कॉम्प्लेक्स है।

कौन है इसका मालिक- फर्स्ट वर्ल्ड होटल की ओनरशिप जेंटिंग मलेशिया बरहाद के पास है, जो जेंटिंग ग्रुप की एक सब्सिडियरी कंपनी है। वहीं जेंटिंग ग्रुप के मालिक और चेयरमैन लिम कोक थाय हैं, जो कंपनी के फाउंडर लिम गोह टोंग के पुत्र हैं। वे 1976 से लीडरशिप पदों पर रहे हैं और कंपनी के अलग-अलग कामों की देखरेख करते रहे हैं। जेंटिंग मलेशिया बरहाद जेंटिंग हाइलैंड्स कैसीनो और रिसॉर्ट बिजनेस की भी ऑपरेटर है।

इस होटल में दो मेन टावर हैं। टावर 1 और टावर 2 और 2015 में एक अतिरिक्त टावर 2 एनेक्स (टावर 2ए) को भी इसमें जोड़ा गया, जिससे इसे दुनिया के सबसे बड़े होटल का खिताब फिर से हासिल हुआ।

9 शेयरों ने 5 साल में दिया 12700% तक रिटर्न, सिर्फ 50 हजार को बना दिया 63 लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोग सेफ निवेश के लिए प्रॉपर्टी या गोल्ड में निवेश करते हैं। रिस्क से बचने के लिए शेयर बाजार से दूर रहते हैं। मगर अगर थोड़ा रिस्क लेकर रिसर्च के साथ सही शेयर में पैसा लगाया जाए तो आपका पैसा कम समय में कई गुना हो सकता है।

यहां हम आपको ऐसे ही 9 शेयरों की जानकारी देंगे, जिन्होंने कम समय में भारी भरकम रिटर्न दिया है।

BSE के डेटा के अनुसार जिंदल फोटो के शेयर ने बीते 5 सालों में 12,668.31 फीसदी रिटर्न दिया है। यानी निवेशकों का पैसा 126 गुना बढ़ गया। इतने रिटर्न से निवेशकों के 50000 रुपये 63 लाख रुपये से अधिक और 1 लाख रुपये सवा करोड़ रुपये से अधिक बन गया है। इतना रिटर्न गोल्ड या प्रॉपर्टी ने बीते 5 सालों में नहीं दिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया वायुसेना के लिए बना रहा सबसे आधुनिक बम, मिला 2280 करोड़ का उत्पादन लक्ष्य

जबलपुर। ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारतीय वायुसेना के लिए सबसे आधुनिक बम के तीन नए वर्जन पर कार्य कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर में मिली सफलता के बाद एल-70 के प्रमुख एम्युनेशन के साथ यह नए वर्जन की श्रृंखला जुड़ गई है।

बता दें कि बीएमपी-2 सीरीज में अनेक खूबियों के साथ इसको और शक्तिशाली बनाया गया है। निर्माणी को 2280 करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन का लक्ष्य हासिल हुआ है। जिसमें 900 करोड़ रुपये का कार्य पूरा हो चुका है। मार्च तक लक्ष्य पूरा है। निर्माणी को पिछले साल 1800 करोड़ रुपये का उत्पादन लक्ष्य मिला था और सफल लक्ष्य के साथ पूरे आयुध निर्माणियों में अव्वल रही। यह एक रिकॉर्ड है।महत्वपूर्ण है कि ओएफके अपने शानदार रक्षा उत्पादन के लिए देश की सभी 41 आयुध निर्माणी में अव्वल बनी हुई है। एमआइएल की यह इकाई भी पूरे ग्रुप में आगे है। पिछले सत्र में रिकॉर्ड उत्पादन के बाद इस बार में वह कीर्तिमान बनाने की अग्रसर है। जिसमें भारतीय वायुसेना के लिए अनेक प्रमुख उत्पादों की श्रृंखला पर कार्य चल रहा है। आपरेशन सिंदूर में ओएफके में बने उत्पादों ने शानदार छाप छोड़ी थी। एल-70 की सफलता में उसके बने एम्युनेशन काफी सफल साबित हुए और दुश्मन पर प्रहार करने में आगे बने रहे।

रशियन विशेषज्ञ कार्य में दे रहे सहयोग

इसी के साथ रशिया के मैंगो बम प्रोजेक्ट पर भी टीम कार्य कर रही है। यह प्रोजेक्ट दोनों देशों के साझा सहयोग से आगे बढ़ रहा है। रूस के विशेषज्ञ का इन दिनों निर्माणी में डेरा है। वे इस प्रोजेक्ट से संबंधित विशेष प्रशिक्षण के लिए यहां आए हुए हैं और निर्माणी की तकनीकी टीम को प्रशिक्षण देने के साथ इसके प्रमुख बिंदुओं से अवगत कराने का प्रयास भी कर रही है।पिकोरा बम का उत्पादन रूका

सूत्रों के अनुसार इस बीच रशिया निर्मित पिकोरा बम की री-फीलिंग का कार्य फिलहाल रोक दिया गया है। पिछले साल इस बम की रि-फीलिंग के दौरान दो कर्मचारियों ने अपनी जान गंवाई थी। फिलहाल उच्च स्तरीय जांच का काम चल रहा है। जिसकी प्रक्रिया लंबी है, जिसके बाद इसके उत्पादन पर कोई अंतिम निर्णय संभव है।

बारात में गोलियां चलाकर डांस रहा था युवक, मौके पर पहुंची पुलिस, लाइसेंसी बंदूक जब्त कर किया गिरफ्तार

ग्वालियर। बहोड़ापुर क्षेत्र में बारात में नाचते हुए लाइसेंसी बंदूक से गोलियां चला रहे एक युवक को पुलिस ने पकड़ा है। जब वह गोलियां चला रहा था, तभी पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस को देखकर उसने दौड़ा लगा दी। पुलिस की गाड़ी उसके पीछे लगी और उसे पकड़ लिया।

पुलिस ने दर्ज की स्नढ्ढक्र-पुलिस ने बंदूक भी जब्त कर ली है। बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आनंद नगर के सी-ब्लाक में बारात जा रही थी। बहोड़ापुर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर अपनी टीम के साथ गश्त कर रहे थे। यहां बारात में नाच रहे नाजिम खान निवासी कोटेश्वर कालोनी के हाथ में बंदूक थी। उसने पहले एक फायर किया तो पुलिस ने देख लिया। तभी टीआइ तोमर गाड़ी से बारात के समीप पहुंच गए। वह दूसरी गोली चलाने ही वाला था कि पुलिस की गाड़ी को देखकर सहम गया। वह बचने के लिए भागा। करीब 500 मीटर तक पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया। वह एक घर में दुबक गया। यहां से पुलिस ने बंदूक के साथ उसे पकड़ लिया। फिर उस पर एफआइआर दर्ज की। अब उसकी बंदूक का लाइसेंस निरस्त कराने के लिए कलेक्टर को पत्र भी लिखा जाएगा।

ऑनलाइन हाजिरी में गड़बड़ी के कारण तीन महीने से अतिथि शिक्षकों को नही मिला मानदेय

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को हमारे शिक्षक एप से ऑनलाइन हाजिरी लगाना अनिवार्य है। हालांकि इसमें अतिथि शिक्षक ऑनलाइन हाजिरी में आगे हैं। मध्य प्रदेश के 80 फीसद अतिथि शिक्षक ऑनलाइन हाजिरी लगा रहे हैं। इसके बावजूद भी तीन माह से अतिथि शिक्षकों को मानदेय नहीं मिला। इसका कारण यह है कि ऑनलाइन हाजिरी में आ रही तकनीकी समस्या आ रही है।

इसका खामियाजा अतिथि शिक्षकों को भुगतना पड़ रहा है। विगत तीन माह से इन्हें मानदेय का भुगतान नहीं हो सका है। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि नेटवर्क और अन्य तकनीकी समस्याओं के कारण अतिथि शिक्षक स्कूल में समय पर उपस्थित नहीं लगा पा रहे हैं। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग का आदेश है कि ऑनलाइन हाजिरी के आधार पर ही अतिथि शिक्षकों को माह में उपस्थिति का ऑनलाइन बिल जनरेट होगा। ई-अटेंडेंस नहीं लगा पाए

अब ई-उपस्थिति नहीं होने से पोर्टल पर मानदेय का भुगतान नहीं हो पा रहा है। अतिथि शिक्षक स्कूल में उपस्थित रहें हैं, इसका उपस्थित पंजी में विधिवत हस्ताक्षर हैं, लेकिन नेटवर्क और तकनीकी समस्याओं के कारण अतिथि शिक्षक ई-अटेंडेंस नहीं लगा पाए।

शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष अतिथि शिक्षकों के लंबित वेतन भुगतान करने की मांग की है। उन्होंने मांग की है कि अतिथि शिक्षकों को विगत तीन माह के मानदेय का भुगतान उपस्थिति पंजी के आधार पर किया जाए। जिससे अतिथि शिक्षक दीपावली का त्योहार मना सके और अन्य आर्थिक समस्याओं से निजात पा सके।

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, परिवार में एक व्यक्ति सरकारी नौकरी में तो दूसरे को नहीं मिलेगा अनुकंपा का लाभ

ग्वालियर। मध्य प्रदेश में ग्वालियर हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति पुष्पेन्द्र यादव की युगल पीठ ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए दायर एक अपील को खारिज कर दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि मृत सरकारी कर्मचारी के परिवार में कोई सदस्य पहले से सरकारी सेवा में है, तो अन्य सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति का अधिकार नहीं मिलेगा।

अनुकंपा नियुक्ति पर अपील खारिज-बहोड़ापुर निवासी रंजीत सिंह के पिता जेल प्रहरी के पद पर कार्यरत थे। 14 मई 2022 को उनका निधन हो गया था। रंजीत सिंह ने 26 मई 2022 को अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया। रंजीत का आवेदन 21 जुलाई को यह कहकर अस्वीकृत कर दिया गया कि उनके दोनों भाई पहले से नौकरी में थे; एक सरकारी सेवा में और दूसरा आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में। बाद में, रंजीत के एक भाई ने अपनी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया। इस आधार पर रंजीत ने फिर से अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, लेकिन इस बार भी आवेदन खारिज कर दिया गया। नहीं मिलेगा अनुकंपा का लाभ

न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि अनुकंपा नियुक्ति केवल नीति के दायरे में आने वाले मामलों में ही दी जा सकती है। यह तत्काल आर्थिक संकट से राहत देने का एक उपाय है, न कि कोई अधिकार। न्यायालय ने जोर दिया कि मृतक के निधन के समय रंजीत के दोनों भाई सेवा में थे, इसलिए नियुक्ति से इनकार करना नीति के अनुरूप था। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि बाद में भाई द्वारा त्यागपत्र देने से अनुकंपा नियुक्ति का अधिकार दोबारा उत्पन्न नहीं होता।

भोपाल में फिल्मी स्टाइल में चोरी, मूक-बधिर बनकर ज्वैलरी दुकान में भीख मांगी, नहीं दी तो पर्स चुराकर भागा बदमाश

भोपाल। चौक बाजार की एक ज्वैलरी दुकान में शुक्रवार दोपहर एक शातिर चोर ने फिल्मी अंदाज में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। आरोपित ने खुद को मूक-बधिर बताकर भीख मांगी, वहीं जब भीख नहीं मिली तो कुछ देर बाद वह काउंटर पर रखा चांदी के जेवरों से भरा पार्सल चुरा लिया। चोरी की यह घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

पार्सल में थे करीब 1.25 लाख रुपये कीमत के चांदी के जेवर-चोरी गए पार्सल में करीब 1.25 लाख रुपये कीमत के चांदी के जेवर थे। पुलिस के अनुसार 50 वर्षीय नरेश वासवानी निवासी बैरागढ़ की इब्राहिमपुरा रोड पर रिद्धि सिद्धि नाम से ज्वैलरी दुकान है। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे डिलीवरी बॉय पार्सल देकर गया था। तभी एक युवक दुकान में आया और इशारों में भीख मांगने लगा। जब महिला ने उसे बाहर जाने को कहा, तो उसने चतुराई से काउंटर पर रखा पेपर पार्सल के ऊपर रख दिया और उसे पेपर में छिपाकर बाहर निकल गया। सीसीटीवी फुटेज की वजह से वारदात का पता चला

कुछ देर बाद पार्सल गायब दिखा तो सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें पूरी वारदात सामने आ गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपित पहले से दुकान के आसपास रेकी कर चुका था। कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फुटेज के आधार पर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

इंदौर में न्यायधीशों, विधि वेत्ताओं और वैश्विक विशेषज्ञों के लिए दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

न्याय पाना हर नागरिक का मौलिक अधिकार - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि न्याय पाना देश के हर नागरिक का मौलिक, बुनियादी, मानवीय और संवैधानिक अधिकार है। भारत की संघीय शासन व्यवस्था का आधार न्याय, जीवन, भोजन और स्वास्थ्य के अधिकारों की समान रूप से रक्षा करना है। लोक कल्याणकारी राज्य का पहला दायित्व है कि देश का कोई भी नागरिक न्याय पाने से वंचित न रहे। न्याय और सुशासन न केवल राष्ट्र और समाज को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि शासन की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में न्याय के हर पक्ष पर मंथन करने की हजारों-लाखों वर्ष पुरानी परंपरा है। यहां कितने भी जटिल विषय क्यों न रहे हो, उन पर विद्वानों के साथ बैठकर शास्त्रार्थ कर समाधानों पर मंथन करते रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर में न्यायधीशों, विधि वेत्ताओं, वैश्विक विशेषज्ञों और विधि विद्यार्थियों की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शनिवार को इंदौर में आयोजित इवोल्विंग होराइजन्स-नेविगेटिंग कॉम्प्लेक्सिटी एंड इनोवेशन इन कमर्शियल एंड आर्बिट्रेशन लॉ इन द डिजिटल वर्ल्ड विषय पर आयोजित विधि विशेषज्ञों की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का नया दौर न्याय का पथ गौरवान्वित करने वाला है। उच्चतम न्यायालय के कई निर्णयों ने देश को नई दिशा दी है। युग बदले, दौर बदले, परंतु न्याय की आत्मा हमेशा वही रहेगी। समानता, पारदर्शिता,विनम्रता और सबको समय पर न्याय दिलाना ही न्यायपालिका की मूल आत्मा रही है और आगे भी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस संगोष्ठी के लिए इंदौर पधारे उच्चतम न्यायालय के सभी न्यायमूर्तियों और देश एवं विदेश से आए विधि विशेषज्ञों का आभार जताते हुए कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर में न्याय प्रणाली के मंथन पर ऐसी विद्वत सभाओं का आयोजन हमें नई उम्मीद देता है साथ ही और बेहतर करने की प्रेरणा भी देता है।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन उद्बोधन में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री जितेन्द्र कुमार महेश्वरी ने कहा कि न्यायपालिका का उद्देश्य कानून का पुनर्निर्माण नहीं, बल्कि निष्पक्षता की सीमाओं का विस्तार करना है, जिससे स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि आधुनिक अर्थव्यवस्था में डेटा पर नियंत्रण, किसी कंपनी या संस्था के स्वामित्व से भी अधिक महत्त्वपूर्ण हो गया है। इसलिये पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करते हुए आर्थिक प्रगति को बाधित नहीं किया जाना चाहिए।

वहीं सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री अहसनुद्दीन अमानुल्लाह ने कहा कि विधिक व्यवसाय तकनीकी प्रगति से अछूता नहीं रह सकता। आज जब तकनीक आधारित और स्वचालित अनुबंधों का दौर है, तब न्यायपालिका की यह जिम्मेदारी है कि न्याय, तकनीकी विकास की रफ्तार के बीच कहीं कमजोर न पड़े और न्याय प्रणाली भी उसी गति से विकसित होती रहे।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री राजेश बिंदल ने कहा कि जैसे-जैसे व्यवसाय बढ़ता है, विवाद भी बढ़ते हैं और इनका समाधान न्यायपालिका के भीतर ही निहित है। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, इसलिए अब समय आ गया है कि हम अपनी सोच में परिवर्तन लाएं और सभी हितधारकों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करें।

जल संसाधन मंत्री सिलावट ने खुड़ैल पंचायत भवन और सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर विधानसभा के खुड़ैल खुर्द में एक कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों का लाभान्वित किया। यहाँ उन्होंने 35 लाख रुपये की लागत से बने खुड़ैल पंचायत भवन और सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने पेंशन योजना, संबल, पीएम उज्जवला,कर्मकार योजना सहित अनेक लोक जनकल्याणकारी योजनाओं का हितलाभ प्रदान किया। मंत्री श्री सिलावट ने पंचायत के करीब 1200 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभ दिया।

मंत्री श्री सिलावट ने खुड़ैल खुर्द में प्रधानमंत्री आवास योजना के 53, पेंशन योजना के 108, संबल योजना के 220, कर्मकार योजना के 15, उज्ज्वला योजना के 160, लाड़ली बहना योजना की 375 तथा राशन पर्ची के 269 हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किया।

भिलाला समाज ने जगाई सामाजिक चेतना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग का समग्र कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी कोशिश है कि जनजातीय वर्ग का कोई भी व्यक्ति शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि भिलाला समाज एक साहसी और संस्कारित समाज है, जिसने मां नर्मदा के आशीर्वाद से नशामुक्ति और मृत्युभोज जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नशा नाश की जड़ है, जो कई पीढ़ियों को बर्बाद कर देता है। समाज की कुरीतियों को खत्म करने का प्रयास एक सामाजिक क्रांति का संकेत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को धार के किला मैदान में जय ओमकार आदिवासी भिलाला समाज संगठन द्वारा आयोजित 12वें प्रांतीय वार्षिक सामाजिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम शुभारंभ किया। सम्मेलन के तहत भिलाला समाज द्वारा युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन, रोजगार पंजीयन शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, नशामुक्ति जागरूकता शिविर, कैरियर मार्गदर्शन शिविर सहित सामाजिक कुरीतियों के निवारण के लिए जागरुकता शिविर भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीथमपुर थाना (बगदून) के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धार जिले की भिलाला समाज की जुझारू महिला नेत्री को केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान देकर समाज का गौरव बढ़ाया है। राज्य सरकार ने अलीराजपुर का नाम परिवर्तन कर आलीराजपुर कर दिया है। क्रांतिसूर्य टंट्या मामा के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना और महाराजा शंकर शाह व कुंवर रघुनाथ शाह की जयंती को भव्य रूप से मनाकर हमारी सरकार ने जनजातीय नायकों और परम्पराओं को सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का राष्ट्ररक्षा और स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा है। भगोरिया के उल्लास को हमने राज्यस्तरीय पर्व का दर्जा देकर जनजातीय लोक परंपराओं को सम्मानित किया है।

अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर श्री गीतारामेश्वरम् ट्रस्ट द्वारा कॉपियों का वितरण

इन्दौर। श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा म.प्र. शासन के पूर्व मंत्री ब्रह्म. रामेश्वर पटेल की स्मृति में ए.बी. रोड़ स्थित आदर्श हनी पब्लिक स्कूल में बालक-बालिकाओं को निःशुल्क कॉपियों का वितरण एवं स्वल्पाहार स्वरूप बिस्कीट प्रदान किए गए।

जानकारी देते हुए ट्रस्ट की ओर से मदन परमालिया ने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार करने वाली प्रदेश की प्रथम महिला डॉ. भाग्यश्री खडखड़िया थी। आपने कहा कि मैं आज बच्चों के बीच आकर मेरी अपनी उस उम्र को याद करती हूँ, जिस वक्त मैं भी आपकी तरह पढ़ाई करती थी। और सभी बच्चों को बिस्किट प्रदान किए।

इन्दौर प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारी पत्रकारों का सम्मान 13 अक्टूबर को

इन्दौर। श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा इन्दौर प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारी पत्रकारों का सम्मान एवं मीडिया का अभिवादन का आयोजन 13 अक्टूबर 2025, सोमवार को प्रातः 11 से 12 बजे तक सम्मान समारोह के पश्चात मालवी भोजन, बिचौली मर्दाना स्थित विद्यासागर स्कूल ऑडिटोरियम में किया गया है। इस अवसर पर निर्भय, निष्पक्ष, निरंतर कार्य करने वाले लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के ऐसे पत्रकारों का सम्मान किया जाएगा जिन्होंने अपने जीवन के 5 दशक समाज को जागरूक और सशक्त बनाने में लगा दिए।

सम्मान समारोह ट्रस्ट के संरक्षक एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल, राधेश्याम पटेल की उपस्थित में सम्पन्न होगा। ये एक पहला ऐसा आयोजन होगा जिसमें पत्रकार जगत अपने परिवार के साथ आमंत्रित है। जानकारी प्रवक्ता मदन परमालिया ने दी।

अब इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ हुआ 30 एमटी प्रतिदिन क्षमता वृद्धि युक्त अत्याधुनिक दूध पाउडर प्लांट

इंदौर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज कृषि विज्ञान परिसर नई दिल्ली से वर्चुअली इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ के 30 मेट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता के पाउडर प्लांट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान नई दिल्ली में उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा वर्चुअली लोकार्पित किये गए 30 एमटी दुग्ध चूर्ण संयंत्र का प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री श्री लखन पटेल ने प्लांट स्थल मांगलिया पहुँचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्लांट का फीता काटकर शुभारम्भ भी किया। साथ ही उन्होंने नवीन संयंत्र का संचालन करने वाली टीम व सबंधित अधिकारियों से संवाद किया। श्री पटेल ने विभाग के प्रबंध संचालक से दुग्ध संघ के सम्बधित विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा नईदिल्ली से प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया गया। एआईएफ के अंतर्गत 1068 परियोजनाएं, पशुपालन क्षेत्र के अंतर्गत 18 परियोजनाएं, मत्स्य पालन क्षेत्र के अंतर्गत 09 परियोजनाएं, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के अंतर्गत 16 परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। पशुपालन क्षेत्र के अंतर्गत 01 परियोजना, मत्स्य पालन क्षेत्र के अंतर्गत 07 परियोजनाएं, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के अंतर्गत 01 परियोजना का शिलान्यास किया।

नागरिकों से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील

इंदौर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ.जी.एस.सोढ़ी के नेतृत्व में उमंग स्वास्थ्य केंद्र के परामर्शदाता श्री यश सोलंकी ने महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव के माध्यम से नागरिकों से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता हेतु अपील की। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को विभिन्न मानसिक बीमारियों जैसे अवसाद, तनाव आदि तथा अन्य मानसिक परेशानियों के उपचार के लिए जागरूक करते हुए बताया कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या के समाधान हेतु जिला चिकित्सालय के मनकक्ष एवं उमंग स्वास्थ्य केंद्र (आयु वर्ग 10 से 19 वर्ष) के लिए, टेली-मानस हेल्पलाइन (14416) तथा मनहित ऐप के माध्यम से निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त की जा सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमें मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर खुलकर बात करनी चाहिए, ताकि इंदौर को मानसिक स्वच्छता के क्षेत्र में भी नंबर वन बनाया जा सके। इस अवसर पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती माला सिंह ठाकुर ने भी संदेश दिया कि मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही आवश्यक है और इन विषयों पर बिना झिझक के चर्चा करना हर व्यक्ति के लिए ज़रूरी है।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

किसानों ने भव्य ट्रेक्टर रैली निकालकर मुख्यमंत्री को भावांतर योजना प्रारंभ करने के लिए धन्यवाद दिया

मध्य प्रदेश सरकार किसानों की सरकार है - प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा खरीफ फसल सोयाबीन पर भावांतर योजना प्रारंभ करने पर रविवार को उज्जैन जिले के किसानों द्वारा भव्य ट्रेक्टर रैली निकालकर मुख्यमंत्री डॉ यादव का आभार व्यक्त किया गया।

इस रैली में म.प्र शासन के उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार और प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल भी सम्मिलित हुए। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रदेश व केन्द्र की सरकार सदैव ही किसान हितैशी रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने लगातार फसलों के न्युनतम समर्थन मुल्य की वृद्धि करने का कार्य किया है। दुसरी ओर मध्यप्रदेश सरकार भी किसानों के हित में निरंतर कार्यरत् है।

अभी सोयाबीन की फसलों का मुख्यमंत्री ने तत्काल आंकलन सर्वे के माध्यम से कराकर दीवाली के

पूर्व ही मुआवजा किसानों के खाते में पहुंचाने का कार्य किया है, शेष रही फसल मंडी में बिकेगी, उसके ऊपर भावांतर योजना को भी लागू कर दिया है। यह निश्चित रूप से मध्यप्रदेश सरकार का जिले के किसानों के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला है।

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि सोयाबीन की एमएसपी 5328 रूपये निर्धारित कर मण्डी विक्रय मुल्य के अंतर पर भावांतर देने का निर्णय सरकार का ऐतिहासिक निर्णय है, जिसे मध्यप्रदेश के किसानों द्वारा सराहा गया है। यह पहल ''किसान समृद्ध तो भारत समृद्ध'' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। जिस के लिए आज बड़ी संख्या में किसान ट्रेक्टर सहित कृषि उपज मंडी प्रांगण उज्जैन में एकत्रित हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ओर मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के हर सुख दुख में साथ खड़ी रहती है।

किसान हमारी अर्थव्यवस्था की आधारशीला है, उनकी मेहनत ओर समर्पण को उचित मुल्य दिलाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आरंभ की गई भावांतर योजना किसानों के हितों की सुरक्षा का प्रभावी माध्यम सिद्ध हो रही है। इस योजना के अंतर्गत यदि किसानों की उपज समर्थन मुल्य से कम भाव पर बिकती है, तो उस अंतर की राशि प्रदेश सरकार द्वारा सीधे किसानों को दी जाती है, ताकि हर किसान को उसकी मेहनत का पूरा मुल्य मिल सके।

संचलन सामुहिक शक्ति के प्रदर्शन का प्रतीक है - निधि शर्मा

उज्जैन। संचलन सामूहिक शक्ति के प्रदर्शन का प्रतीक है, विजयादशमी के उपलक्ष में हमारा संचलन निकल रहा है। यह वर्ष हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिसकी स्थापना पूजनीय हेडगेवारजी ने 1925 में की, संघ के 100 वर्ष पूर्ण हुए हैं। जिनसे प्रेरणा प्राप्त कर वंदनीय लक्ष्मी बाई केळ्कर द्वारा मातृ शक्ति के बीच राष्ट्र सेविका समिति जैसे संगठन की स्थापना की। राष्ट्र सेविका समिति को 90 वर्ष पूर्ण होने वाले हैं। इस हेतु से यह वर्ष हमारे लिए महत्वपूर्ण है, संघ का विचार राष्ट्र का विचार है इस विषय के पूर्व राष्ट्र को हमको समझना पड़ेगा।

उक्त बात राष्ट्र सेविका समिति द्वारा आयोजित पथ संचलन में मुख्य वक्ता के रूप में प्रांत शारीरिक प्रमुख निधि शर्मा ने कही। श्रीमती शर्मा ने कहा कि राष्ट्र सेविका समिति का उद्देश्य व्यक्तित्व का निर्माण है, व्यक्तित्व का निर्माण इसलिए ज्यादा आवश्यक है कि जैसा हम अपने देश को बनाना चाहते हैं वैसा ही व्यक्तियों का निर्माण करें। हम कैसा देश चाहते हैं हम ऐसा देश चाहते हैं जो वैज्ञानिक दृष्टि से, तकनीकी दृष्टि से आर्थिक दृष्टि से, कृषि की दृष्टि से और चरित्र की दृष्टि से विशेषकर संवेदनाओं की दृष्टि से श्रेष्ठ बनें। व्यक्ति के निर्माण में महिलाओं की विशेष भूमिका होती है, महिलाएं ही राष्ट्र की आधार शक्ति होती हैं महिलाएं चाहे तो समाज को श्रेष्ठ बना सकती हैं, राष्ट्र को उस स्तर तक पहुंचा सकती है कि विश्व का प्रत्येक देश उससे प्रेरणा लेकर उस मार्ग पर चल सके।

प्राइवेट टीचर एसोसिएशन उज्जैन का स्नेह सम्मेलन सम्पन्न

उज्जैन। रविवार को म.प्र. प्राइवेट टीचर एसोसिएशन उज्जैन का स्नेह सम्मेलन श्रीमति तारा पुलेकर के सानिध्य में सम्पन्न हुआ ,जिसमे निम्न बिंदुओं पर विचार विमर्श हुआ । प्रायवेट स्कूल संचालकों द्वारा बगैर आधार एवं सूचना के टीचरों से त्यागपत्र लिए जाने के लिए विवश करना । अनुपस्थित टीचरों के स्थापन उपस्थित शिक्षकों को अध्यापन के लिए बिना अतिरिक्त वेतन के निर्देशित किया जाना जैसे समस्याओं को लेकर हुए नाना खेड़ा क्षेत्र की एक निजी होटल में रविवार दोपहर को प्राइवेट टीचर एसोसिएशन के बेनर तले एक स्नेह सम्मेलन आयोजित किया गया ।

राष्ट्र सेविका समिति के पथ संचलन पर बोहरा समाज ने की पुष्पवर्षा

उज्जैन। राष्ट्र सेविका समिति द्वारा निकाले गए पथ संचलन का नई सड़क पर समाज सेवी मुस्तफा ए पीठावाला के नेतृत्व में बोहरा समाज के युवा कार्यकर्ताओं, साथियों द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से एमआईसी सदस्य पार्षद रजत मेहता, वरिष्ठ भाजपा नेता जीवन गुरु तिवारी, सराफा मंडल के कार्यकर्ता एवं बोहरा समाज के हुसैन अतर वाला, मुस्तफा कोरासा वाला, शब्बीर सकरु वाला, जुल्फीकार मालोला वाला, अली हैदर मेवा वाला, हुसैन मालोला वाला, हुसैन कपड़ा वाला, हसनअली कपड़ा वाला, अलिअसगर पाटला वाला, सैफी हरर वाला, हुज़ैफा पिपलिया, हातिम पीठावाला, मूर्तज़ा शाकिर आदि समाजजनों ने पथ संचलन पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

महिला वर्ग में योगिता गोस्वामी, यावर सीनियर व यूथ में बेस्ट आर्म रेसलर बने

पंजा कुश्ती चैंपियनशिप में 153 महिला, पुरुष खिलाड़ियों ने की जोर आजमाइश

उज्जैन। मध्यप्रदेश आर्म रैसलिंग एसोसिएशन भोपाल के तत्वावधान में उज्जैन जिला पंजा कुश्ती संघ द्वारा आठवीं स्वर्गीय चुन्नी पहलवान एवं कमल यादव काका स्मृति जिला स्तरीय, सब जूनियर, जूनियर यूथ एवं सीनियर महिला, पुरुष पंजा कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। पंजा कुश्ती चैंपियनशिप में उज्जैन जिले के 153 महिला, पुरुष खिलाड़ियों ने तकनीकी एवं ताकत का बेहतरीन प्रदर्शन किया। महिला सीनियर वर्ग में योगिता राज गोस्वामी बेस्ट आर रेसलर के खिताब से सम्मानित की गई। वहीं पुरुष वर्ग में यूथ एवं सीनियर वर्ग में यावर अली ने दोहरा खिताब अर्जित किया।

सब जूनियर वर्ग में सहीम अहमद एवं जूनियर वर्ग में नवीन नवीन राठौर अव्वल रहे। चैंपियन खिताब धारी को ग्यारह हजार नगद प्रदान किये गए। चैंपियनशिप का

शुभारंभ मध्य प्रदेश पंजा कुश्ती संघ के अध्यक्ष मनोहर सिंह शेखावत, उपाध्यक्ष समीर व्यास इंदौर, राज्य राज्य शरीर सौष्ठव संस्था के चेयर मेन प्रेम सिंह यादव, राष्ट्रीय निर्णायक शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके, गजेंद्र मेहता, महर्षि पंडित रमन त्रिवेदी, समाजसेवी राम सिंह कुशवाह, संदीप सिंह कुशवाह, गोपाल यादव ने किया। अतिथि द्वारा बजरंगबली के जय कारे के साथ पूजन अर्चन किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह के अतिथि समाजसेवी नारायण यादव थे। अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय के सिंडिकेट मेंबर राजेश सिंह कुशवाह ने की। विशेष अतिथि के रूप में प्रकाश यादव, परेश कुलकर्णी, समीर उल हक, कृष्णा यादव, अशोक यादव, राजाराम यादव, संजय पटेल, उदय सिंह चंदेल, सुमेर सिंह सिसोदिया अध्यक्ष करणी सेना, जमुना यादव ने किया। इस अवसर पर मोहनपुरा के समाजसेवी अनिल पटेल, अमित सचदेव, महेश अजमेरी, रंजित राव को खेल मित्र अलंकरण से सम्मानित किया गया। स्पर्धा के निर्णायक संजय यादव इंदौर, अजय आंजना, अल्ताफ, अदनान, महेंद्र, रोहित रहे। वहीं तकनीकि कार्य देवेंद्र सिंह कुशवाह, रवि मालवीय, आकाश यादव, नवीन वाघेला, कमल, लखन, महेंद्र ने संभाला। स्पर्धा के विभिन्न ग्रुपों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को कांस्य, रजत एवं स्वर्ण पदक प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया गया।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण है भारत की पहचान- डॉ. मनमोहन वैद्य

उज्जैन। औपनिवेशिक चेतना और अनुभव हमें यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि आज का शासन और नीतियाँ किस हद तक औपनिवेशिक मानसिकता से प्रभावित हैं, जो अंग्रेजों के समय में बनी थी। अब समय है कि हम भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के आधार पर नीतियों को पुनः परिभाषित करें। युवाओं में जागृत हो रही नई चेतना इस बदलाव की सबसे बड़ी शक्ति है, जो आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी और सांस्कृतिक रूप से जागरूक भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

यह बात यंग थिंकर्स कॉन्क्लुएंस 2025 के तीसरे और अंतिम दिन के प्रथम सत्र की शुरुआत में फाउंडेशन फॉर स्टडी ऑफ इंडियन कल्चर बेंगलुरु के निर्देशक प्रो. एम. एस. चैत्रा ने कही। उज्जैन के अवंतिका विश्वविद्यालय में आयोजित यंग थिंकर्स कॉन्क्लुएंस के दूसरे सत्र में प्रसिद्ध लेखक पंकज सक्सेना ने भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में हिन्दू समाज की स्थिति के विषय को, भारत की जनगणना वर्ष 2011 के तथ्यों के आधार पर समझाया कि क्रिश्चियन मिशनरियों और कुछ मुस्लिम संगठनों द्वारा हिन्दू समाज को विभाजित और कमजोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी संस्कृति, परंपरा और धर्म के प्रति सजग रहें, क्योंकि यही भारत की असली पहचान है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com